

शिवसागरबलै याँ आहक

मिचेच बरुवा: अहा पूजाब बरुत आमि
शिवसागर चाबलै याम। बीत
काजिबङ्गा चाबलै पाम।
आपोनालोकौ ओलाव।

मिचेच पाणु: बरु डाल कथा। आमिओ बरुत
दिनब पबा डारि आछौं।
ओलावहे पबा नाम्प।
छोरालीजनीये फुबिबलै म्पच्छा
करे। ल'बाँटारे फटा डुलिबलै
डाल पाय। आमार तेखेतब
आकौ पिकनिकतहे चख। बिधे
बिधे बरु खारलै डाल पाय।

मिचेच बरुवा: आमि बनडोजौ खाम।
जयसागर पुखुबीब पारत
ड्रुकुबा निमाओमाओ ठाम्प आछे।
डौधुबीहँत योरा बरुत तालै
फुबिबलै गैछिल।

मिचेच पाणु: अ' हय नेकि? तत चाँगे
बरुतो चाबलगीया मठ मन्दिब

आइए, शिवसागर चलें

श्रीमती बरुवा : आगामी पूजा की छुट्टियों में
हम शिवसागर जाएँगे।
रास्ते में काजिरंगा भी देख
सकेंगे। आपलोग भी चलें।

श्रीमती पांडे : बहुत अच्छी बात है। हम भी
बहुत दिनों से सोच रहे थे।
लेकिन जा नहीं सके। बेटी
को घूमना पसंद है। बेटे को
फोटो खींचना अच्छा लगता
है। हमारे उनको (पति को)
पिकनिक का बड़ा शौक है।
तरह-तरह के पकवान खाने
के भी शौकीन हैं।

श्रीमती बरुवा : हम पिकनिक भी मनाएँगे।
जयसागर तालाब के किनारे
एक बड़ी सुनसान जगह है।
चौधुरीलोग पिछले साल वहीं
घूमने गए थे।

श्रीमती पांडे : ओह! ऐसा है क्या? वहाँ
शायद और भी दर्शनीय

आছে।

मिचेच बरुवा: हय, शिरसागरब शिरद'ल,
विष्णुद'ल आरु देरीद'ल
चाबलगीया। एम्प दलकेम्पा
शिरसागर पुखुबीर पारत
अरस्थित। शिरद'लटो असम
तितरत सवातोकै ओख द'ल।
शिरसागरब गाते लगा
जयसागर। तार जयसागर
पुखुबी आरु पारब जयद'ल
बर प्रसिद्ध।

मिचेच पाणु: तात थाकिबलै ताल होटल बा
यात्री निवास आछे ने?

मिचेच बरुवा: आपोनालोक कबलै
पाहबिछेँ। तात मोर मार
घर। आपोनालोके प्रोग्राम
करक। मम्प देउतलै लिथिम।
तेउँ आपोनालोकक निबलै
बाह आस्थानलै आहिव।

मिचेच पाणु: शिरसागरब ओचरे-पाजरे
आरु किवा दर्शनीय स्थान
आछेने?

स्थान होंगे।

श्रीमती बरुवा : जरूर हैं। शिवसागर का शिवदोल, विष्णुदोल और देवीदोल बेहद दर्शनीय हैं। ये दोल शिवसागर पुखुरि के किनारे ही हैं। इनमें शिवदोल असम में सबसे ऊँचे शिखरवाले मंदिर हैं। जयसागर शिवसागर से लगा हुआ ही है। जयसागर पुखुरि और उसके किनारे पर स्थित जयदोल भी बड़ा प्रसिद्ध है।

श्रीमती पांडे : क्या वहाँ रहने के लिए अच्छा होटल अथवा यात्री-निवास मिल जाएगा?

श्रीमती बरुवा : आपको बताना भूल गई। वहाँ मेरी माँ का घर है। आप कार्यक्रम बनाएँ। मैं अपने पिताजी को लिख दूँगी। वे आपलोगों को लेने के लिए बस अड्डे पर आ जाएँगे।

श्रीमती पांडे : उसके अलावा शिवसागर के पास और क्या देखने लायक है?

श्रीमती बरुवा : हाँ, आप रङ्घर और कारेङ्घर भी देख सकते हैं। ये दोनों रंगपुर में हैं। ये

মিচেচ বৰুৱা: অ' আপুনি বংঘৰ আৰু
কাৰেংঘৰ চাব পাৰে।
এম্পকেম্পো বংপুৰত অৱস্থিত।
শিউনৰ পৰা মাত্ৰ চাৰি কি.মি.
দূৰত। ম্প শিৱসাগৰ আৰু
জয়সাগৰৰ মাজত।

মিচেচ পাণ্ডে: আৰু গড়গাঁও নামৰ ঠাম্পৰ
কথাও শুনিছিলো?

মিচেচ বৰুৱা: অ', গড়গাঁও শিৱসাগৰৰ পৰা
মাত্ৰ বিশ কিল'মিাৰ দূৰত।
তাত আহোম ৰজাৰ কাৰেংঘৰ
আছে। আৰু চৰাম্পদেউ চল্লিশ
কিল'মিাৰ হ'ব। তাত আহোম
ৰজা আৰু ডাঙৰীয়াসকলৰ
মৈদাম আছে।

মিচেচ পাণ্ডে: শিৱসাগৰৰ পৰা তালৈ যাবলৈ
যান-বাহন পোৱা যায়নে?

মিচেচ বৰুৱা: অ' পাব। খুওব কম সময়ৰ
মূৰে মূৰে তালৈ বাছ চলি
থাকে।

মিচেচ পাণ্ডে: ভালেম্প হ'ল। আপুনি সকলো
কথা বুজাম্প দিলে। আমি

শিৱসাগৰ সে চাৰ কি. মী.
দূৰ স্থিত হৈ। যহ
শিৱসাগৰ আৰু জয়সাগৰ
কী बीच মেন হৈ।

শ্ৰীমতী পাণ্ডে : আৰু যহ গড়গাঁৱ কহাঁ হৈ?
মেনে ইসকে বাৰে মেন কাফী
সুনা হৈ।

শ্ৰীমতী বৰুৱা : হাঁ, গড়গাঁৱ শিৱসাগৰ সে
20 কি.মী. দূৰ হৈ। বহাঁ
আহোম ৰাজাওঁ কে মহল
হৈ। বহাঁ সে সৰাইগাঁৱ 40
কি.মী. দূৰ হৈ। যহাঁ আহোম
ৰাজাওঁ আৰু ৰাজ্যাধি-
কাৰিয়োঁ কী সমাধিয়োঁ হৈ।

শ্ৰীমতী পাণ্ডে : শিৱসাগৰ সে ইন স্থানোঁ কে
লিএ বাহন মিল জাতে হৈ,
ক্যা?

শ্ৰীমতী বৰুৱা : হাঁ মিলতে হৈ। থোড়ী-থোড়ী
দেৰ কে বাদ যহাঁ কে লিএ
বসেন মিলতী হৈ।

শ্ৰীমতী পাণ্ডে : বড়িয়া হৈ। আপনে হমেন
বিস্তাৰ সে সব কুছ বতা
দিয়া হৈ। হম জরুৰ জাএগে।

निश्चय याम।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
भावि	सोचकर
फुबिबलै	घूमने के लिए
स्पच्छा	इच्छा, इरादा
तुलिबलै	उठाने के लिए
भाल पाय	पसंद करता है
चथ	शौक
बिधे बिधे	विविध प्रकार के
पुखुबी	तालाब
पाब	किनारा
त्रु'कुबा	एक टुकड़ा
निमा'ओमा'ओ	सुनसान
ठा'प	जगह
चाबलगीया	देखने लायक
दर्शन (कबिबलगीया)	दर्शनीय
द'ल	दोल (मंदिर)
गाते लगा	लगा हुआ, पास ही
पाबब	किनारे का
ओथ	ऊँचा
प्रसिद्ध	प्रसिद्ध
दर्शनीय	दर्शनीय
	(निमित्त) मात्र

মাত্র	राजा
	(दाङओरिया) राज्य-अधिकारी
ৰজা	समाधि
ডাঙৰীয়া	वाहन
মৈদাম	भूल गई
যানবাহন	
পাহৰিছোঁ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(क) আমি শিৱসাগৰলৈ যাম, তাত শিৱদ'ল চাম।

→ আমি শিৱদ'ল চাবলৈ শিৱসাগৰলৈ যাম।

1. আমি যোৱা বছৰ দিল্লীলৈ গৈছিলোঁ; তাত বহুত ফুৰিলোঁ।
2. তেওঁ হোটেললৈ গৈছিল; তাত চাহ-মিঠাম্প খালে।
3. মস্প আজি বীণাৰ ঘৰলৈ যাম; কিতাপখন ঘূৰাম্প দিম।
4. সি কাজিৰঙালৈ যাব; তাত গঁড় চাব।
5. মোৰ দেউতা বাছ-আস্থানলৈ আহিব; মোক ঘৰলৈ লৈ যাব।

(খ) শিৱসাগৰ ঠাম্পখন চাবলৈ যাব লাগে।

→ শিৱসাগৰখন চাবলগীয়া ঠাম্প।

1. অসম ৰাজ্যখন ভ্ৰমণ কৰিবলৈ যাব লাগে।
2. কাজিৰঙা অভয়াৰণ্যখন চাব লাগে।

3. শিৱদ'ল বিষ্ণুদ'ল আৰু দেৱীদ'ল দৰ্শন কৰিব লাগে।
4. এম্প কামটো কৰিব লাগে।
5. এম্প কথাটো মনত ৰাখিব লাগে।

II. কোষ্টক মঁ দিএ গএ শব্দোঁ মঁ সে সহী শব্দ চুনকর वाक्य पूरे कीजिए।

1. জয়সাগৰৰ _____ বৰ প্ৰসিদ্ধ। (জয়দ'লটো, জয়দ'লখন)
2. মোৰ সৰু _____ ঘৰত নাম্প (ল'ৰাটো, ল'ৰাগৰাকী)
3. তেখেতৰ ডাঙৰ _____ কলৈজলৈ গৈছে। (ছোৱালীটো, ছোৱালীজনী)
4. তোমাৰ _____ মম্প পঢ়িলোঁ। (কিতাপটো, কিতাপখন)
5. শিৱসাগৰ _____ দেখিবলৈ বৰ ধুনীয়া। (ঠাম্পটো, ঠাম্পখন)

III. বিলোম শব্দ বতাইএ।

- ভাল
ডাঙৰ
ওচৰ
ছুঁ
লাগে

IV. এক वाक्य मँ उत्तर दीजिए :

1. মিচেচ পাণ্ডেৰ ল'ৰাটোৱে কি কৰি ভাল পায়?
2. শিৱসাগৰৰ কি কি স্থান দৰ্শন কৰিবলগীয়া?
3. জয়সাগৰ ক'ত আছে?
4. কাৰেংঘৰ ক'ত আছে?

5. मिचेच बरुवाब माकब घब क'त?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

याम श्विलङ्ग बन्त आमि पूजाब चाबलै

→ आमि पूजाब बन्त श्विलङ्गत चाबलै याम।

1. बबापानीत खाम पिबनिक आमि
2. विश्वद्वीपे तुलिव श्विलङ्गत फटो
3. बिह्त कुमुदे बाँही एस्पबाब बजाब
4. तौमालोकौ असमब चाबलै एबाब बिह् आहिबा

VI. 'क्या', 'कौन', 'कहाँ', 'कब', 'क्यों', 'कैसे' का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जीतने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. मोब बन्नु कालिलै बेलेबे बांगालोबलै याब।
2. आमि कालिलै बनडोजलै याम बुलि भाबिछौ।

पढ़िए और समझिए।

श्विलङ्ग ड्रमण

नितुल श्विलङ्गलै याबलै ओलास्पछे। तात ताब माहीयेक थाके। महाके श्विलङ्गत चाकबि कबे। माहीयेकब घबत चाबिदिनमान थाकिब आरु तालकै श्विलङ्ग चाब। माहीयेक आरु महाकब लगत सि चेबापुञ्जीओ चाबलै याब।

নিতুলৰ ঘৰ নলবাৰীত। নিতুল গুৱাহাটীলৈকে ৰেলেত আহিল। শ্বিলঙলৈ ৰেল নচলে, বাছহে চলে। গুৱাহাটীৰ পৰা টেক্সিৰেও শ্বিলঙলৈ যাব পাৰি। কিন্তু নিতুল গুৱাহাটীৰ পৰা বাছেৰেহে শ্বিলঙলৈ যাব। সি আগতীয়াকৈ কি কালৈ। শ্বিলঙলৈ যোৱা ৰাস্তাটো বৰ একাবেঁকা। সেম্প ৰাস্তাত বাছৰ জোকাৰণিত বহুত মানুহে বমি কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰে। গতিকে সেম্পটো ৰাস্তাত সাৱধান হ'ব লাগে। বমি নহ'বৰ বাবে নিতুলক মাকে ঐ দৰব দিছে। লগতে শুঙি থাকিবলৈ চাৰিা নেমুটেঙাও দিছে। বীত খাবলৈ বিধে বিধে খোৱা বস্তুও তৈয়াৰ কৰি দিছে, কাৰণ ৰাস্তাত ভাল খোৱা বস্তু পাবলৈ বৰ কঠিন।

নিতুলৰ বন্ধুৰ নাম বুবুল। তাৰো শ্বিলং চাবলৈ খুওব স্পৰ্শ আছে। শ্বিলঙৰ বিষয়ে বুবুলে বহু কথা পঢ়িছে। শ্বিলং এখন ধুনীয়া ঠাম্প। একাবেঁকা ৰাস্তাৰে পাহাৰত উঠিব পাৰি। ৰাস্তাৰ কাষত ধুনীয়া ধুনীয়া দৃশ্য চাব পাৰি। পিছত পাহাৰ বগাবলৈকো যাব পাৰি। তাৰ পৰা আপাৰ-শ্বিলঙৰ দৃশ্য বৰ মনোৰম দেখি।

নিতুলৰ লগত বুবুলো যাবলৈ ওলাল। কিন্তু তাৰ কপাল বেয়া। সি কি নাপালে। সেয়েহে নিতুলৰ বেয়া লাগিল। সি তাৰ কি বাতিল কৰিলে। পিছৰ দেওবাৰে দুয়ো লগলাগি শ্বিলঙলৈ যাব। সন্ধিয়া মাহীয়েকক ফোনত জনাম্প দিলে। মাহীয়েকেও ভালেম্প পালে। কাৰণ সিদিনা এজন বন্ধুৱে তেওঁলোকক ৰাতিৰ আহাৰ খাবলৈ মাতিছিল।

নয় শব্দ

অসমিয়া শব্দ	হিন্দী অৰ্থ
একা বেঁকা	টুঙা-মেড়া
উঠিবলৈ	চড়নে
জোকাৰণি	হিলনে-ডুলনে কা কাৰ্য
বমি	কৈ, বমন, উল্টী

সারথান	सावधान
দৰব	दवा
তৈয়াৰ	तैयार
काषৰ	किनारे का, पास का
दृश्या	दृश्य
পাহাৰ	पहाड़
বগাবলৈ	चढ़ने
মনোৰম	मनोरम
বাতিল	स्थगित करना

अभ्यास

I. नीचे दिए गए असमिया शब्दों के हिन्दी अर्थ बताइए।

স্পৰ্শা

নিমাওমাও

কপাল

একা বেঁকা

মনোৰম

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. नितुल केनि याबलै ओलास्पछे?
2. नितुल किहेरे याब?

3. বুবুল কিয় নিতুলৰ লগত যাব নোৱাৰে?
4. নিতুলৰ মাকে কিয় দৰব খাবলৈ কৈছে?
5. শ্বিলঙত নিতুলৰ কোন আছে?

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

कालिले सि कोकोबाबाबलै याव। कोकोबाबाब जिला असमर उतुब-पश्चिम सीमात। तात सि बडो जनगोष्ठीर लोकसकलक लग पाव। तेउँलोक असमर पुबणि बासिन्दा। तेउँलोकब संस्कृति बर चहकी। पबहिले बडो सकले त्रा उंसर पालन करिब। सि तात बडो सकलर नाचगान चाबलै पाव।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

अगले रविवार को हम नैनीताल जाएँगे। नैनीताल में देखने के लिए बहुत कुछ है। नैनीताल में नौका विहार बड़ा आह्लादकारी है। मालरोड की चहल-पहल में पर्यटक खो जाता है। रोप वे से चाइना पीक पर जा सकते हैं। यहाँ से हिमाच्छादित चोटियाँ दिखाई देती हैं।

V. 'मेरी पहली रेल यात्रा' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

प्रस्तुत पाठ में 'लै' और 'लगी' का प्रयोग दिखाया गया है।

1. : असमिया में भविष्य काल की क्रिया रूप के साथ 'लै' जोड़कर हिन्दी के 'के लिए' का अर्थ बताया जाता है। हिन्दी में 'जाने' या 'जाने के लिए' के लिए

असमिया में 'शाबटैल' (या + ভবিষ্যৎ কালৰ বিভক্তি + -টেল) का प्रयोग होता है।
जैसे :

शाबटैल (खाने के लिए) शाबटैल (जाने के लिए)
कबटैल (कहने के लिए) आदि।

2. '-टैल' : के प्रयोग द्वारा भविष्य की सूचना मिलती है। खासकर *पबहि*, *कालि* आदि समयवाचक शब्दों में '-टैल' जोड़ा जाता है। जैसे :

पबहि	परसों (पिछला)
पबहितैल	परसों (आगामी)
कालि	कल (पिछला)
कालितैल/ काल्पटैल	कल (आगामी)

3. '-लगीशा' : भविष्य काल की क्रिया रूप के साथ 'योग्य के' अर्थ में '-लगीशा' का प्रयोग होता है। जैसे :

शाब + -लगीशा = शाबलगीशा	खाने योग्य
चाब + -लगीशा = चाबलगीशा	देखने योग्य
पढिब + -लगीशा = पढिबलगीशा	पढ़ने योग्य

4. आहोम : एक जनजाति जो दक्षिणी चीन (बार्मा) से आकर असम में बसी तथा जिसने सन् 1228 से 1826 तक राज्य किया। इन लोगों ने अपनी भाषा, धर्म और संस्कृति को छोड़कर अपनी प्रजा की भाषा, धर्म, संस्कृति आदि को अपनाया।

5. रङ्पुर : आहोम राज्य की राजधानी।

6. कारेङ्घर : आहोम राजाओं के महल।

7. रङ्घर : आहोम राजाओं द्वारा निर्मित प्रेक्षा-गृह।
8. जयसागर : मानव निर्मित एशिया का सबसे बड़ा एक तालाब जो लगभग 172 एकड़ पुखुरि क्षेत्र में फैला हुआ है।
9. मैदाम : आहोम राजाओं और राज्याधिकारियों की समाधियाँ जिनकी आकृति बौद्ध स्तूपों जैसी है।
10. कालिटेल : आजकल 'आगामी कल' के लिए 'काम्पटेल' (काइलोई) के विकल्प के रूप में 'कालिटेल' (कालिलोई) का प्रयोग होने लगा है।